Run by: *New Akanksha Shiksha Samiti*

Dr. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

(Recognised by N.C.T.E., Sate Govt. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)

Patan Road Near NEW RTO Karmeta, Jabalpur (M.P.)-482002

Phone: 0761-2682004, Website: www.radhakrishnanedu.com

Email: rkce@yahoo.com / choube_abhi27@yahoo.in

DVV 2.4.3

Competency of effective communication is developed in students through several activities such as

1. **Workshop sessions for effective communication**
2. **Simulated sessions for practicing communication in different situations**
3. **Participating in institutional activities as 'anchor', 'discussant' or 'rapporteur'**
4. **Classroom teaching learning situations along with teacher and peer feedback**

DVV Query

- Details of the activities carried out during last completed academic year in respect of each response indicated

Institution Response

The institute attached details of the activities carried out during last completed academic year in respect of each response indicated.

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of Education Karmeta, Jabalpur

Report

Details of the activities carried out during last completed academic year in respect of each response
indicated
WORKSHOP SESSIONS FOR EFFECTIVE COMMUNICATION
Communication and interpersonal skills are fundamental to success. The college organised various
workshops to improve communication skills among the students using games, contemporary media,
thought-provoking discussions and fun techniques. The faculty/mentors lead students from idea
development to idea presentation in multi-stage workshops that utilize innovative techniques to
teach effective communication skills to participants.
Beyond the thinking skills that are developed with improved communication, students will learn how
to debate and share their views with their peers in a positive way and with control over their strong
feelings, thus improving and strengthening interpersonal relationships.

Workshop sessions for effective communication

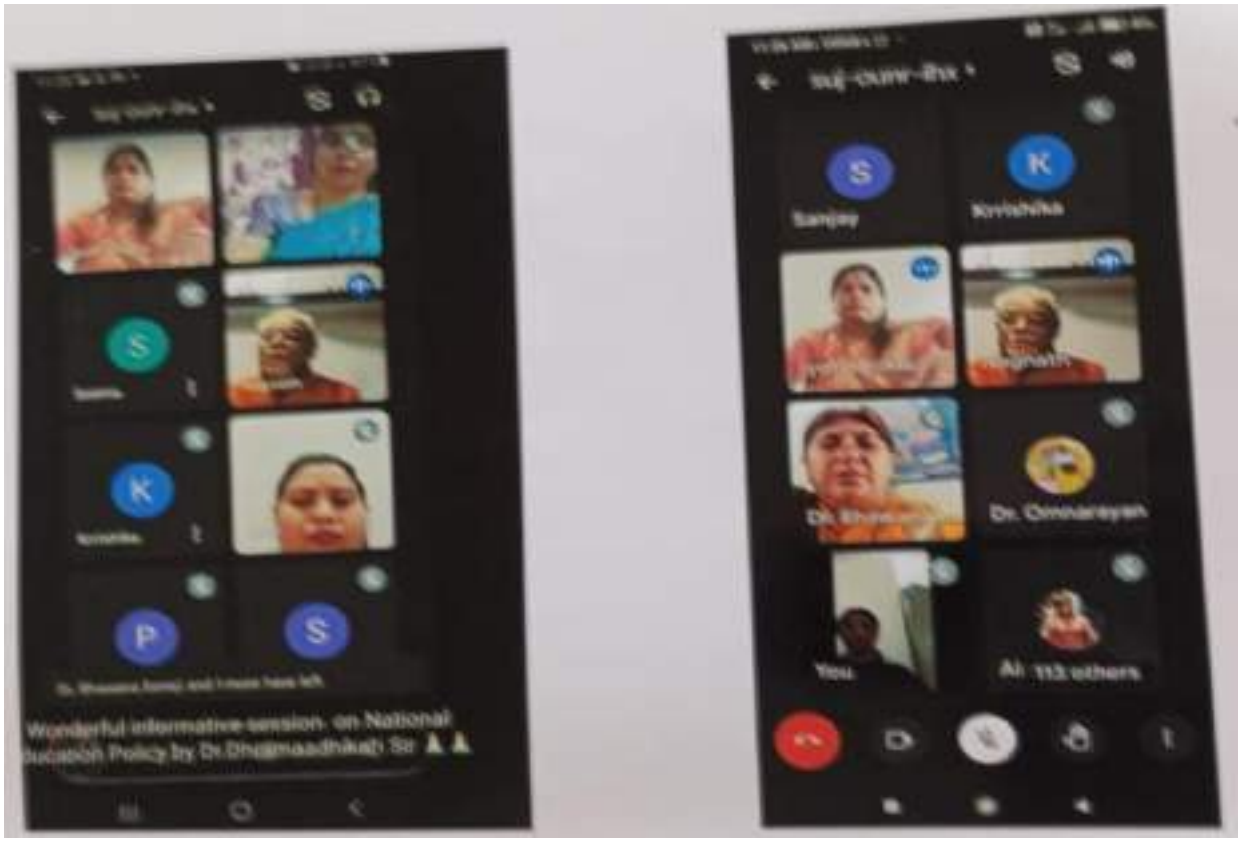

Sanjay
Dr. Omnarayan
You

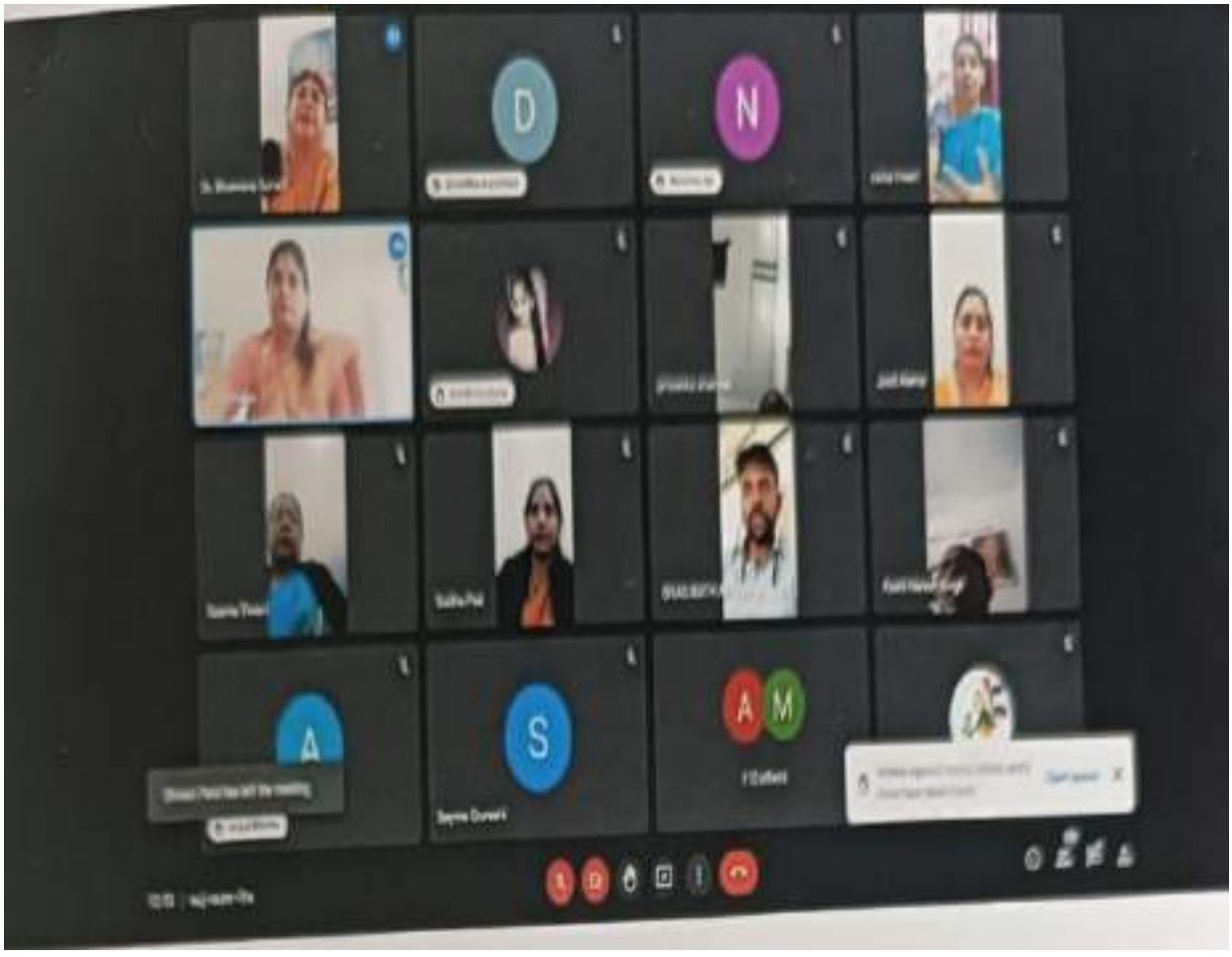

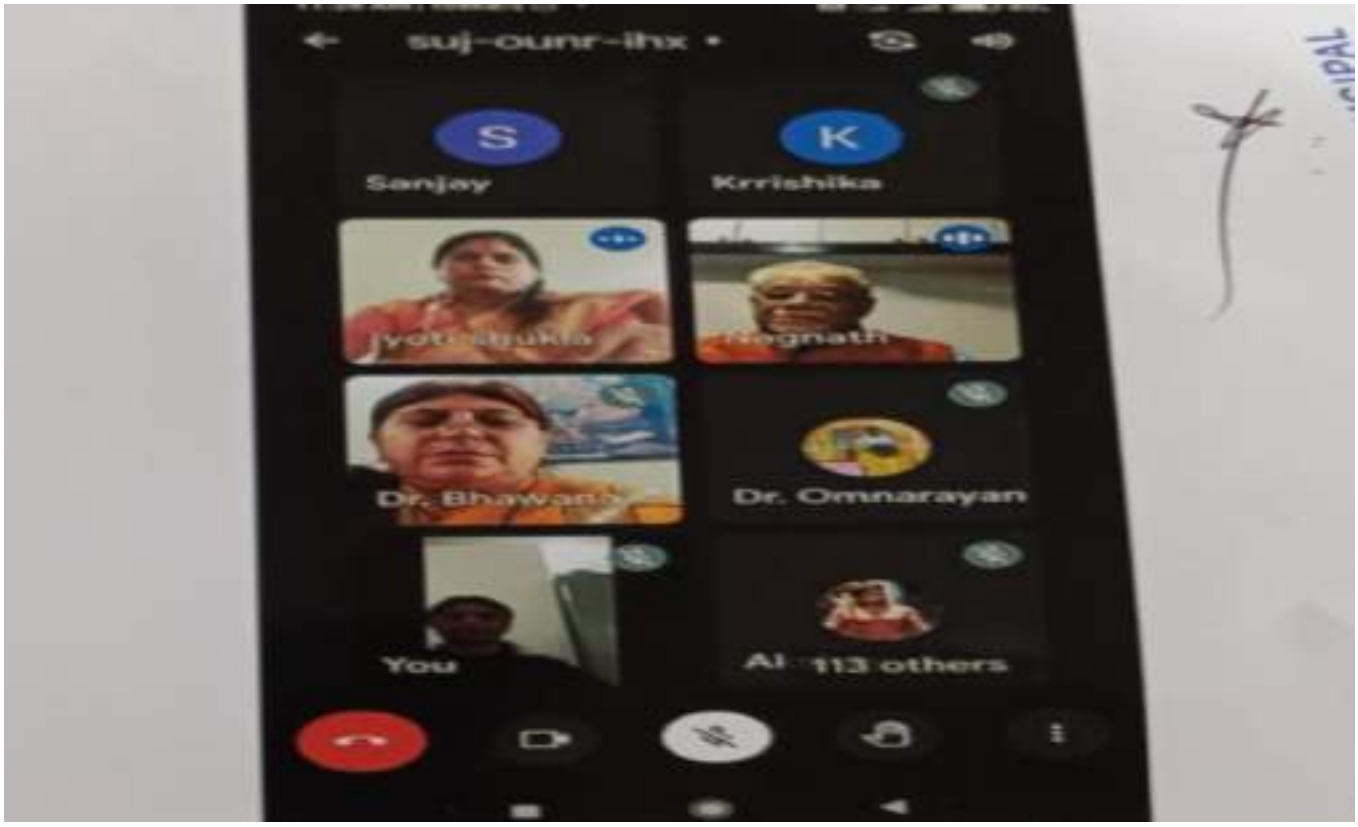

Use of information and Communication Technology in prevention of Corona...

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of Education Karmeta, Jabalpur

डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन

ONE DAY Online webinar

"use of information and communication Technology in prevention of corona"

कोरोना के बचाव में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी की उपयोगिता

दिनांक 3 जून 2020

समय 12:30 बजे

वेबीनार के लिंक :-गूगल मीट con/ovy.atrpztz

रजिस्ट्रेशन फॉर्म :- httpe//forms./gle/

nWb

र दुर्गावती विश्वविद्यालय की कुलपति	डॉक्टर कपिल देव मिश्रा जी	मुख्य अतिथि
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की कुल सचिव	डॉ दीपक मिश्रा	मुख्य वक्ता
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय	डॉ सुरेंद्र सिंह	मुख्य वक्ता
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय	डीआर मीनल दुबे	मुख्य वक्ता
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय	डॉ अजय मिश्रा	संयोजक
डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन	डॉ भावना सोने जी	महाविद्यालय प्राचार्य

रानी दुर्गावती के कुलपति माननीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ भावना सोनी जी एवं अभिषेक चौबे के द्वारा उनका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया गया इसके पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया और कार्यक्रम के अन्य अतिथियों का भी स्वागत किया गया प्रथम सत्र में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति जी का वक्तव्य उद्बोधन प्रारंभ हुआ जिसमें उन्होंने कॉविड 19 के कोरोना के बचाव में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कोविद-19 महामारी के दौरान शारीरिक दूरी बनाए रखें एवं मूल रूप से अन्य वितरित उपयोगी के लिए डिजाइन और उपयोग किए जाने वाले आईसीटी प्लेटफार्म को सामाजिक संपर्क बनाए रखने और व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने आभासी शिक्षा के लिए फिर से तैयार किया गया है उसे पर बारे में चर्चा की गई उन्होंने आईसीटी का उपयोग कैसे करें और आईसीटी के उपयोग और सूचना की नीतियों पर जोर दिया सूचना एवं संचार तकनीकी विद्यार्थियों को उनकी योग्यता अनुसार पाठ्य सामग्री को बोधगम बनाकर अधिगम करने में सहायक है और शिक्षण प्रक्रिया को यह सरल और सुबोधबनती है उन्होंने बताया कि सूचना एवं संपर्क तकनीकी एक व्यापक क्षेत्र जो सूचना के निर्माण भंडारण एवं उपयोग तथा संचार के विभिन्न माध्यमों के द्वारा उसको दूसरे तक प्रेषित करने की

सुविधा प्रदान करता है यह सफल शिक्षक की संपूर्ण प्रक्रिया संप्रेषण व उसके माध्यम की प्रभावित पर निर्भर करती है ऐसी जानकारी उन्होंने प्रदान की

कुलपति जी ने बताएं कि छात्रों को पढने के लिए ऑनलाइन शिक्षा ही एक मात्र विकल्प बचा है जो कोरोनावायरस संकट की महामारी से बचने के लिए विद्यार्थियों शिक्षकों और कर्मचारियों को वायरस से संकट में होने से बचने के लिए संप्रेषण तकनीकी का प्रयोग किया गया है ।

द्वितीय सत्र में डॉ दीपक मिश्रा जी के द्वारा कोरोना के बचाव में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी से ऑनलाइन मोड पर शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रदान की गई जिससे कहीं ना कहीं यह कार्यशाला के माध्यम से सभी विद्यार्थी पर एवं शिक्षा ग्रहण उनके वक्तव्य से लाभान्वित हुए की किस तरह इस महामारी में हमको सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी का प्रयोग करना है उनकी उपयोगिताओं पर प्रकाश डाला ।

इसके पश्चात डॉ मीना दुबे ने कोविद महामारी के कारण शैक्षिक संस्थान शुरू में अस्थाई रूप से और फिर लंबे समय तक बंद रहे इससे ऑनलाइन शिक्षा को अपनाने की आवश्यकता पैदा हुई ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म पर संक्रमण ने शिक्षकों के लिए आफूतपूर्व चुनौतियां पेश की शिक्षकों ने संस्थागत प्रशिक्षण के साथ-साथ 100 शिक्षा उपकरणों की मदद से ऑनलाइन शिक्षण को जल्दी से अपना लिया उन्होंने बताया कि ऑनलाइन शिक्षण के कारण कहीं ना कहीं एक तनाव चिंता और अकेलापन जैसी मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो इन समस्याओं से निदान के लिए कुछ उन्होंने महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की अध्यापकों को कोई मानसिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को सामना करना पड़ रहा है ऐसी स्थिति में उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल शिक्षा और शिक्षकों के प्रशिक्षण तक पहुंच में अंतर को दूर करने के लिए उन्होंने कुछ ठोस रणनीति विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला ।अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.भावना सोनी जी के द्वारा रानी दुर्गावती कल सचिन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और उनके दिए गए वक्तव्य विषय कहीं ना कहीं हम सब बहुत ही अधिक लाभान्वित हुए और यह कार्यशाला जो आज के दिन हुई है वह कारगर सिद्ध हुई आपके अनमोल वक्तव्य की कारण इसके पश्चात डा. दीपक मिश्रा ,मीनल दुबे, अजय मिश्रा और उन महाविद्यालय से ऑनलाइन मोड पर उपस्थित शिक्षकों, प्राचार्य और समस्त में महाविद्यालय से जुड़े विद्यार्थियों को भी तहे दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

अंत में कार्यक्रम का समापन किया गया और ऑनलाइन मोड पर एक गूगल फीडबैक फॉर्म प्रदान किया गया जिसमें सभी को उसको भरकर भेजने का अनुरोध किया गया और उसके पश्चात उन्हें ऑनलाइन के माध्यम से इस सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे ऐसा आश्वासन दिया अंत में सभी को पुणे फिर से एक बार धन्यवाद दिया गया ।

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ राधाकृष्ण कॉलेज ऑफ एजुकेशन "एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला"

दिनांक :-11 नवंबर 2021

विषय :- "शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय नीति 2020"

Online workshops :- Google meet

Time : 10:00

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि :- रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय कपिल देव मिस्र जी

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की बोर्ड ऑफ स्टडी एवं विजय श्री शिक्षा संस्थान HOD प्रोफेसर रैना तिवारी

Experts by lecturer	Dr.Raina tiwari	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
Experts by lecturer	डॉ N. S. धर्माधिकारी	शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा 11 नवंबर 2021 को ऑनलाइन google meet कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रबंधक श्री अभिषेक चौबे जी एवं डॉ श्रीमती भावना सोनेजी की अनुमति के पश्चात गूगल meet कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया गया।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योति शुक्ला से द्वारा कार्यक्रम का शुरुआत मां सरस्वती जी के बंदना एवं पूजा द्वारा प्रारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय कपिल देव मिश्र जी की अध्यक्षता में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया एवं कुलपति जी के वक्तव्य के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जी के उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडी के डायरेक्टर चेयरमैन डॉ रैना तिवारी एव.. डॉ N.एस धर्माधिकारी जी... महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती डॉ भावना सोनी जी के दौरा उनका हार्दिक स्वागत किया गया । रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की कुलपति जी के वक्त अब के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रकाश चलते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यालय शिक्षा में सबसे बड़े परिवर्तन का पक्षधर हे कुलपति जी ने बताया कि बालकों को हर वक्त अध्ययन करते रहना होगा एवं सतत मूल्यांकन की भी व्यवस्था रहेगी यहां विद्यार्थियों के पास अध्ययन हेतु पसंद के विषय चुनने एवं विदेशी भाषाओं की की स्वतंत्रता भी रहेगी जिससे वह विज्ञान के साथ-साथ सम समाजशास्त्र राजनीति शास्त्र विषय से अपने पसंद के विषयों का अध्ययन कर सकेगा इससे पूर्व इस प्रकार की व्यवस्था नहीं थी

संसाधनों की वजह से हमें ऊर्जा, भोजन, पानी, स्वच्छता की आवश्यकताओं को पूरा करने के नए रास्ते खोजने होंगे "भारत का ज्ञान" में आधुनिक भारत और उसकी सफलताओं और चुनौतियां के पश्चात प्राचीन भारत का ज्ञान और उसका योगदान विश्वसनीय होगा

कुलपति के उद्बोधन के पश्चात प्रोफ़ेसर रैना तिवारी mam ji ने संदर्भित विषय से संबंधित अपने महत्वपूर्ण विचार हमारे समक्ष प्रस्तुत किए रैन मैम दौरा शिक्षा में बड़ा बदला विभिन्न पाठ्यक्रम में बदलाव एवम गुणवत्ता को शिक्षण प्रशिक्षण की व्यवस्था एवं एक जैसी शिक्षा व्यवस्था तथा शिक्षकों के प्रशिक्षण प्रशिक्षण मुद्दों पर चर्चा की गई जिससे कार्यशाला से जुड़े सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी लाभांवित हुए ।

कार्यक्रम को अगले सत्र में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ धर्माधिकारी जी थे ।जो की सेवा निर्गत प्राचार्य कौशलश्वर महाविद्यालय पुणे से थे एवं वर्तमान में शिक्षा विद्वान UGC NAAC कमेटी की विगत 11 वर्षों से मेंबर हैं शिक्षा की क्षेत्र में इनका 48 वर्षों से योगदान रहा है इन्होंने गणित विषय में phd की डिग्री प्राप्त की है संदर्भित विषय से संबंधित डॉ धर्माधिकारी जी ने बहुत ही ज्ञानवर्धक बातों से हमें परिचित कराया उन्होंने शिक्षण प्रशिक्षण संस्था में ICT की महत्व को बताया पीपीटी एवं डिस्टेंस लर्निंग के महत्व के विषय में विस्तार से बताया इसके अलावा मूल्यांकन प्रणाली होने वाले बदलाव शिक्षा wifi महत्त्व से परिचित कराया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उपयोगिता एवं शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के विषय पर प्रकाश डाला ।

कार्यक्रम की आयोजक प्राचार्य डॉ. भावना सोने जी अपने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों तथा शिक्षकों सभी के लिए एक नई दिशा है कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों तथा विद्यार्थी सभी वक्ता से प्रश्न पूछे गए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई एवं समस्याओं का समाधान किया गया । कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम की संचालित श्रीमती ज्योति शुक्ला द्वारा सभी अतिथियों एवं संस्थापक श्री अभिषेक सोनी जी मूवीस जुड़े सभी विद्यार्थियों शिक्षकों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया ।

इस प्रकार कार्यशाला का समापन कर विद्यार्थियों व शिक्षकों एवं सभी अतिथि गणों को फीडबैक फॉर्म प्रदान कर ही सर्टिफिकेट प्रदान किए गए कार्यशाला में डॉक्टर राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस प्रकार सफलतापूर्वक कार्यशाला संपन्न हुई ।

Outcome:-. डॉ राधाकृष्णन कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विभिन्न वक्तव्य द्वारा दी गई जानकारी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उपयोगिता शिक्षा के संदर्भ में प्राप्त हुई जिससे विद्यार्थियों को जो राष्ट्र नई शिक्षा नीति संबंधित जो भी शंका एवं समस्या थे वह भी डाउट

वक्तव्य के द्वारा क्लियर किए गए एवं एक कोर्स के साथ और कौन-कौन से कोर्स कर सकते हैं और कौन-कौन सी नई चीज़ इसमें समाहित है राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वह सब जानकारी से सभी शिक्षक के विद्यार्थी लाभान्वित हुए ।

2.4.3. SIMULATED SITUATIONS FOR PRACTICING COMMUNICATION SKILLS IN DIFFERENT
SITUATIONS

High fidelity simulation environments provide students with the opportunity to generate, develop
and enhance their communication skills and confidence in their own abilities without worrying about
compromising patient safety; they also provide students with the chance to practice and correct
their mistakes in real time. It has also been clearly shown to improve team behaviours in a wide
variety of teaching learning contexts associated with improved team performance in crisis situations.

ART AND CRAFT WORK SHOP

WALL HANGING

"ART AND CRAFT WORK SHOP-2023"

PRINCIPAL

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

SIMULATED SESSIONS FOR PRACTICING COMMUNICATION IN DIFFERENT SITUATIONS

2.4.3 Participating in institutional activities as 'anchor', 'discussant' or 'rapporteur'

As the development of the well-rounded individual is a principal goal of all the curricular as well as extracurricular activities in the college, the numerous experiences these activities afford positively impact students' emotional, intellectual, social, and inter-personal development. By working together with other individuals, students learn to negotiate, communicate, manage conflict, and lead others. Taking active part in these activities helps students to understand the importance of critical thinking skills, time management, and academic and intellectual competence. Students also develop leadership skills where they anchor the activities and lead the event organised in the institution. Almost all the events held in the college are compered/anchor by the students. Events organised by the students are guided by the faculty/mentors. Thus, students learn to plan, organise and conduct events at institutional, inter-institutional levels.

डॉ राधाकृष्णन् कॉलेज ऑफ एजुकेशन

विश्व महिला दिवस 8-3-2019

डॉ राधाकृष्णन् कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आज दिनांक को "विश्व महिला दिवस" मनाया गया। जिसमे महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी तथा प्राध्यापकगण शामिल हुये। इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये। जैसा कि हम सभी जानते है कि पूरा विश्व 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाता है। महिलाओं के सम्मान के लिए घोषित इस दिन का उद्देश्य सिर्फ महिलाओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान बताना है। एक महिला के बिना किसी भी व्यक्ति का जीवन सृजित नहीं हो सकता इसलिए इस दिन को महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य मे खुशि मनाया जाता है। यह दिवस सर्वप्रथम अमेरिका में 28 फरवरी 1909 मे मनाया गया। भारत में आधी आबादी के इस दिवस को धूम धाम से मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है। भारत में एक महिला को शिक्षा का, वोट देने का अधिकार और मौलिक अधिकार प्राप्त है। इस प्रकार महिलाओं को आदर व सम्मान दिलाने के लिए इस विशेष दिवस को मनाया जाता है।

कार्यक्रम का प्रारंभ प्रात: 11 बजे आरंभ हुआ। यह विशेष कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमति डॉ भावना सोनेजी तथा

तथा संचालिका श्रीमती सुवर्णा चौबे जी
अध्यक्षता में किया गया। इस दिवस को
मनाने के लिए समस्त विद्यार्थी प्रातः काल
से ही तैयारियों में जुट गए थे। सर्वप्रथम
विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की प्राचार्या
श्रीमती डॉ भावना खोने जी तथा संचालिका
श्रीमती सुवर्णा चौबे मैडम का तिलक लगाकर
स्वागत व अभिनंदन किया तथा इसके पश्चात
समस्त शिक्षिकाओं का तिलक लगाकर स्वागत
व अभिनंदन किया। तत्पश्चात महाविद्यालय की
प्राचार्या तथा महाविद्यालय की संचालिका
द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पमाला
अर्पित कर दीपक प्रज्ज्वलित किया गया।
बी एड के छात्राओं द्वारा व्यावहारिक सरस्वती
वंदना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर
समस्त विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने भाषण
कविता व स्लोगन के माध्यम से अपने
अपने विचार प्रस्तुत किए। सर्वप्रथम विद्यार्थियों
के आग्रह पर महाविद्यालय की प्राचार्या जी
ने इस विशेष दिवस पर नारी के सम्मान में
अपने विचार प्रस्तुत किए एवं अनेक रोचक
जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि, वैसे तो महिलाओं
के सम्मान के लिए यह दिन पूरे विश्व में
प्रसिद्ध है। पर आज भी कई महिलाओं को
अनेकों समस्याओं से जूझना पड़ता है। ग्रामी
क्षेत्रों की महिलाओं की स्थिति आज भी वही
है जो कल थी। भ्रूण हत्या जैसे मसले आज
भी भारत में काफी चर्चित है। अवहेलना, भ्रूण
हत्या और और नारी की अहमियत न समझ

महिलाओं की उन्नति के बारे में कुछ करें ताकि पूरे विश्व में महिलाएँ अपनी आवाज़ बुलंद कर पाएँ। समस्त विद्यार्थियों ने महाविद्यालय आचार्या जी की इन बातों को ध्यानपूर्वक उत्साहित होकर सुना और तालियों की गड़गड़ाहट से अभिनंदन किया। विश्व के समग्र विकास के लिए महिलाओं का विकास और उन्नति की प्रमुख धारा से जुड़ा होना अति आवश्यक है। महिलाओं की स्थिति समाज में जितनी महत्वपूर्ण, सम्मानजनक व सक्रिय होगी, उतना ही समाज उन्नत व मजबूत होगा। आज बंदिशों को तोड़ महिलाओं के लिए खड़े होना है ताकि फिर से महिला दिवस मात्र एक दिवस की तरह न मनाया जाए।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा महिला दिवस के अवसर पर भाषण तथा कविता के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। बी.एड की छात्रा कु. ख्याति कोठारी ने इस अवसर की आकर्षक स्वरचित कविता प्रस्तुत की जिसमें महिलाओं को त्याग की मूर्ति के रूप में वर्णित किया। डी.एल.एड के विद्यार्थियों ने महिलाओं की महानता को प्रदर्शित करते हुए एक नाटिका प्रस्तुत की। तथा उन्होंने महिलाओं के विभिन्न क्षेत्रों में जो कीर्तिमान स्थापित किया उसका वर्णन करते हुए उनके गौरव का बखान किया

इतिहास महिलाओं के बुलंदियों और हौसलों का गवाह है। इंदिरा गांधी और कल्पना चावला से लेकर पी.टी. उषा, किरण बेदी जैसी महिलाओं ने इस पुरुष प्रधान समाज में अपनी दृढ़ता से बड़े-बड़े कीर्तिमान हासिल किए। किसी ने अंतरिक्ष की ऊंचाइयों को छुआ तो किसी ने राजनीतिक बुलंदियों को। इस महिला दिवस पर हम सभी उन्हें याद करें जिनके आत्मविश्वास ने हमारे देश का नाम पूरे विश्व में रोशन किया। खेल में भी महिलाओं ने अपना परचम खूब लहराया है। इस महिला दिवस पर खुद को नारों, भाषणों, सेमिनारों में उलझने के बजाए महिलाओं के उन्नति के बारे में कुछ करें ताकि पूरे विश्व में महिलाएँ अपनी आवाज बुलंद कर पाएं।

इस महिला दिवस पर शिक्षिकाओं ने भी बारी-बारी से अपने विचार प्रस्तुत किए। और संकल्प लिया कि इस महिला दिवस पर क्यों ना सारी उन कड़वी बातों को भुलाकर उनको याद करें जिन्होंने मेहनत और लगन से महिलाओं का नाम रोशन किया। इस महिला दिवस के अवसर हम सबको मिलकर रानी लक्ष्मीबाई और महारानी पद्मिनी जैसी महिलाओं के साहस को सलाम करना चाहिए। 8 मार्च को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दुनियाभर की महिलाएँ देश, जातपात, भाषा, राजनीतिक, सांस्कृतिक भेदभाव से परे एक जुट होकर इस दिन को मनाती है। वर्तमान समय में महिलाएं

PRINCIPAL
Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

Participating institutional activities as anchor discussant or Rapporteur

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

"मतदान हेतु जागरूकता की आवश्यकता"

भाषण एवं कविता प्रतियोगिता 13-10-18

आज दिनांक 13-10-18 को डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन में "मतदान हेतु जागरूकता की आवश्यकता" विषय पर कविता/भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर मतदान हेतु जागरूक होने का परिचय दिया। महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों सहित समस्त शिक्षक गण भी शामिल हुए। इस प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य मतदान हेतु अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जागरूक करना था।

इस प्रतियोगिता का प्रारंभ प्रातः 11 बजे किया गया। इस प्रतियोगिता को महाविद्यालय के संचालक श्री अभिषेक चौबे जी, संचालिका श्रीमती कृष्णा चौबे जी तथा प्राचार्या श्रीमती डॉ भावना सोनी जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण श्रीमती ममता तिवारी, श्रीमती रूपा पाली, श्रीमती स्वाति श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति विश्वास, श्रीमती मधु मिश्रा, श्रीमती मनीषा सोनी, कु. शुभी शर्मा तथा श्री विनोद सभी उपस्थित रहे। और इस प्रतियोगिता में शामिल होकर विद्यार्थियों को मतदान की उपयोगिता से संबंधित

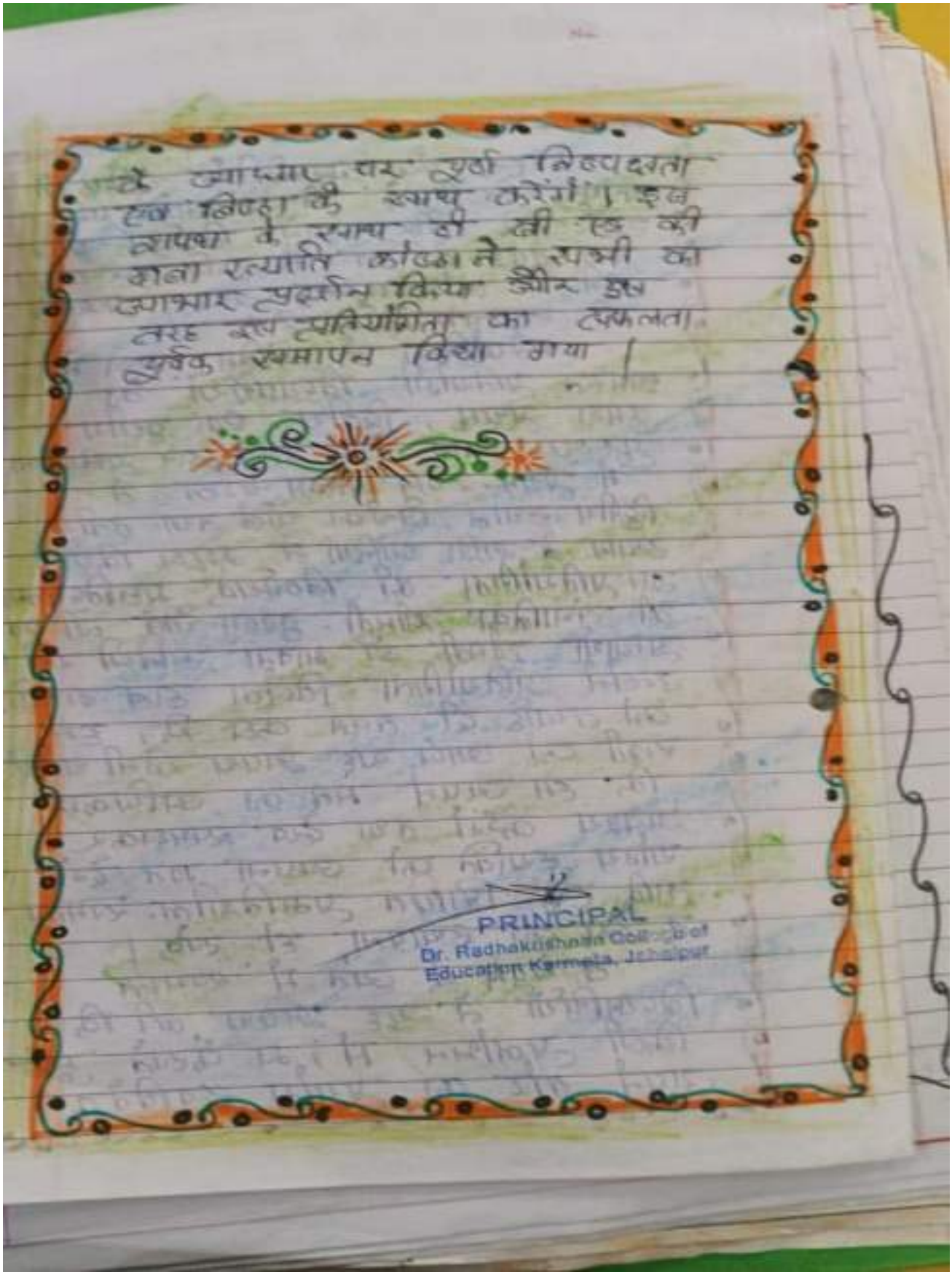

के आधार पर पूर्ण निष्पक्षता एवं निष्ठा के साथ करेंगी। इस वाक्य के साथ ही डॉ. एक की बाला ख्याति कोठारी ने सभी का आभार प्रदर्शन किया और इस तरह इस प्रतियोगिता का सफलता पूर्वक समापन किया गया।

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

"मतदान हेतु
जागरूकता की
आवश्यकता"
कविता एवं
भाषण
प्रतियोगिता
13-10-18

2.4.3 CLASSROOM TEACHING LEARNING SITUATIONS ALONG WITH TEACHER AND PEER FEEDBACK

The knowledge, advice, and resources a teacher/faculty/mentor shares depend on the format and goals of a specific mentoring relationship. A faculty shares with a mentee (or protege) information about his or her own career path, as well as provide guidance, motivation, emotional support, and role modeling. The faculty also help the students with exploring careers, setting goals, developing contacts, and identifying resources. The role of the mentor changes as the needs of the mentee change. Some mentoring relationships are part of structured programs that have specific expectations and guidelines: others are more informal. Methodology lecturers guide the students in classroom activities through formative assessments as well as summative. They give feedback to the teacher trainees in enhancing their skills whereby the re-teach/present refined skills.

Dr. Radhakrishnan College of Education

Patan Road,Karmeta.Jabalpur

Feedback form for Head's of Teaching Practice School

We would like to hear from you, how far our curriculum has been successful in training our student teachers Kindly mark your opinion across each statement

(Strongly Agree-SA, Agree- A, Undecided- UD, Disagree, Strongly Disagree-SD)

S.NO.	Statements	SA	A	UD	D	SD
1.	The curriculum is effective in transacting the knowledge in school education.	✓				
2.	The curriculum is need-based and updated		✓			
3.	The curriculum helps to develop teaching skill.	✓				
4.	The curriculum helps the student teachers to handle the learner with diversified needs.		✓			
5.	The curriculum helps the student teachers to be proficient in 21st century skills of teaching methodologies and strategies	✓				
6.	The curriculum followed in the institution supports to mould the personality of the student teachers.		✓			
7.	The curriculum followed in the institution supports to mould the personality of the student teachers.	✓				
8.	The curriculum develops the communicative skills of the student teachers. 9 The curriculum develops the technological skills of the student teachers.	✓	✓			
9.	The curriculum develops the technological skills of the student teachers.	✓	✓			
10.	The curriculum helps student teachers to integrate value education in their lesson plan	✓				

Run by: New Akanksha Shiksha Samiti

Dr. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

(Recognised by N.C.T.E., State Govt. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)

Patan Road Near RTO Karmeta, Jabalpur (M.P.) 482002
Phone: 0761-2682004, Website: www.radhakrishnanedu.com
Email: [illegible]

Curriculum feedback from Students

Academic Year: 19-20

...e of the Student: Khushboo Chourasiya Class: B.Ed.

...act No: — Email ID:

...e of Program:

...: Syllabus is the pre-defined set of chapters prescribed by the University. Whereas curriculum is how the ...tute transact the syllabus through various modes such as class room teaching, organizing various co-curricular ...ties and industrial interactions.

Parameters	Excellent	Good	Satisfactory	Average
Updation of curriculum.	✓			
Learning outcome of curriculum: Knowledge, analytical ability, practical skill etc.	✓			
Innovation in curriculum		✓		
Curriculum Enrichment practices: add on course, instrument training, Soft Skills modules etc.	✓			
Relevance of curriculum to Industrial practices, Professional skills and Competencies.		✓		
Relevance of curriculum in research & development	✓			
Relevance of curriculum to global trends	✓			
Relevance of curriculum to serve the society & to fulfill community needs.		✓		
Industrial Training (Weightage) in Curriculum.	✓			
Organization of Guest Lectures/ Seminars/ Workshops		✓		
Transparency in internal assessments	✓			
Coverage of entire syllabus in the evaluation process		✓		

...lease include suggestions (if any):

Khushboo

Run by: New Akanksha Shiksha Samiti
Dr. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION
(Recognised by N.C.T.E., Sate Govt. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)
Patan Road Near NEW RTO Karmeta, Jabalpur (M.P.) 482002
Phone: 0761-2681004, Website: www.radhakrishnanedu.com
Email: rce@yahoo.com / rhouse_abh27@yahoo.in

Curriculum feedback from Teacher

Academic Year: 18-19

Dear Teacher,

Thank you for providing employment to many of our alumni in your esteemed organization. We would appreciate if you can spare your valuable time in sharing feedback of curriculum for enhancing its quality and its relevance to meet the market expectations.

Name of the Teacher: Jyoti Shukla.

Name of the Programme: M. Ed

Class taught in previous semester:

Sr. N.	Parameters	Excellent	Good	Satisfactory	Average
1	Syllabus is organized and structured.	✓			
2	Course objectives are well defined and clear to the teacher having significant learning outcomes.		✓		
3	Timely completion of syllabus is possible in allotted hours.	✓			
4	Recommended books are relevant and readily available.	✓			
5	Curriculum has balanced theory and practical hours.		✓		
6	Experiment relates to theoretical knowledge gained by the students.	✓			
7	Curriculum enables to develop problem solving ability and innovative thinking capability.		✓		
8	Curriculum supports higher and lifelong learning.	✓			
9	Curriculum is relevant to global trends.		✓		
10	The syllabus has increased my knowledge and perspective	✓			

Please provide specific inputs in addition/deletion of topics from syllabus (Mention class & programme):

—

Please include suggestions (if any):

—

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of Education Karmeta, Jabalpur

Jyoti Shukla

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur